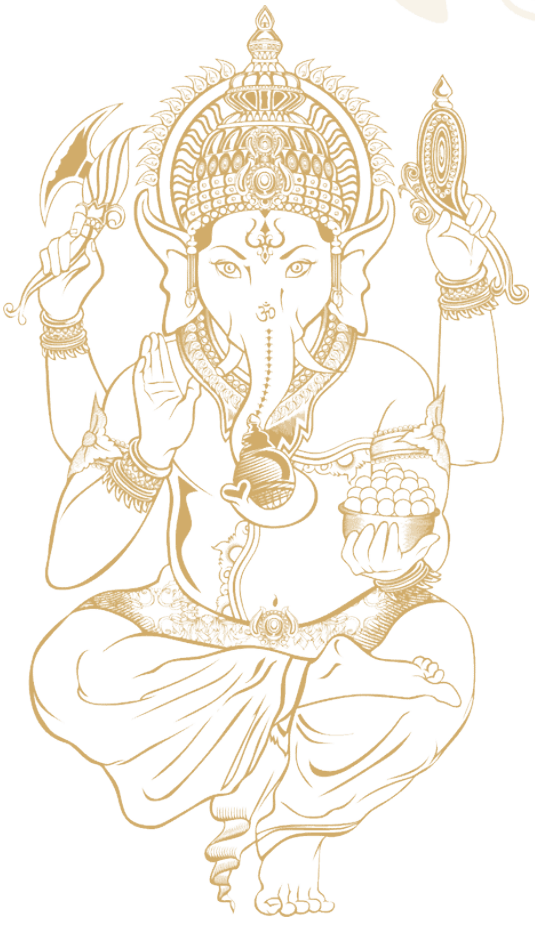

Mr.prad agni

18 Apr 1966

06:30 PM

Kanpur

Model: web-freekundliweb

Order No: 121731916

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**18/04/1966**
दिन	सोमवार
जन्म समय	**18:30:00 घंटे**
इष्ट	31:56:45 घटी
स्थान	**Kanpur**
राज्य	Delhi
देश	India

अक्षांश	26:27:00 उत्तर
रेखांश	80:19:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:08:44 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	18:21:16 घंटे
वेलान्तर	00:00:32 घंटे
साम्पातिक काल	08:06:03 घंटे
सूर्योदय	05:43:18 घंटे
सूर्यास्त	18:33:35 घंटे
दिनमान	12:50:17 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	वसन्त
सूर्य के अंश	04:39:22 मेष
लग्न के अंश	04:41:13 तुला

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	तुला - शुक्र
राशि-स्वामी	**मीन - गुरु**
नक्षत्र-चरण	**उ०भाद्रपद - 2**
नक्षत्र स्वामी	शनि
योग	ऐन्द्र
करण	वणिज
गण	मनुष्य
योनि	गौ
नाड़ी	मध्य
वर्ण	विप्र
वश्य	जलचर
वर्ग	सर्प
युँजा	अन्त्य
हंसक	जल
जन्म नामाक्षर	थ-थानसिंह
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - लौह
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मेष

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			तुला	04:41:13	317:45:12	चित्रा	4	14	शुक्र	मंगल	शुक्र	---
सूर्य			मेष	04:39:22	00:58:39	अश्विनी	2	1	मंगल	केतु	चंद्र	उच्च राशि
चंद्र			मीन	08:24:26	12:06:58	उ०भाद्रपद	2	26	गुरु	शनि	शुक्र	सम राशि
मंगल		अ	मेष	07:07:47	00:44:52	अश्विनी	3	1	मंगल	केतु	राहु	मूलत्रिकोण
बुध			मीन	07:14:43	00:59:18	उ०भाद्रपद	2	26	गुरु	शनि	बुध	नीच राशि
गुरु			मिथु	03:34:10	00:09:54	मृगशिरा	4	5	बुध	मंगल	शुक्र	शत्रु राशि
शुक्र			कुंभ	18:41:47	01:02:48	शतभिषा	4	24	शनि	राहु	चंद्र	मित्र राशि
शनि			मीन	01:04:46	00:06:35	पू०भाद्रपद	4	25	गुरु	गुरु	मंगल	सम राशि
राहु	व		वृष	02:09:01	00:04:40	कृतिका	2	3	शुक्र	सूर्य	गुरु	मित्र राशि
केतु	व		वृश्चि	02:09:01	00:04:40	विशाखा	4	16	मंगल	गुरु	राहु	मित्र राशि
हर्ष	व		सिंह	22:37:48	00:01:44	पू०फाल्गुनी	3	11	सूर्य	शुक्र	शनि	---
नेप	व		तुला	28:02:46	00:01:28	विशाखा	3	16	शुक्र	गुरु	शुक्र	---
प्लूटो	व		सिंह	22:47:56	00:01:06	पू०फाल्गुनी	3	11	सूर्य	शुक्र	शनि	---
दशम भाव			कर्क	05:58:20	--	पुष्य	--	8	चंद्र	शनि	बुध	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:22:55

लग्न-चलित

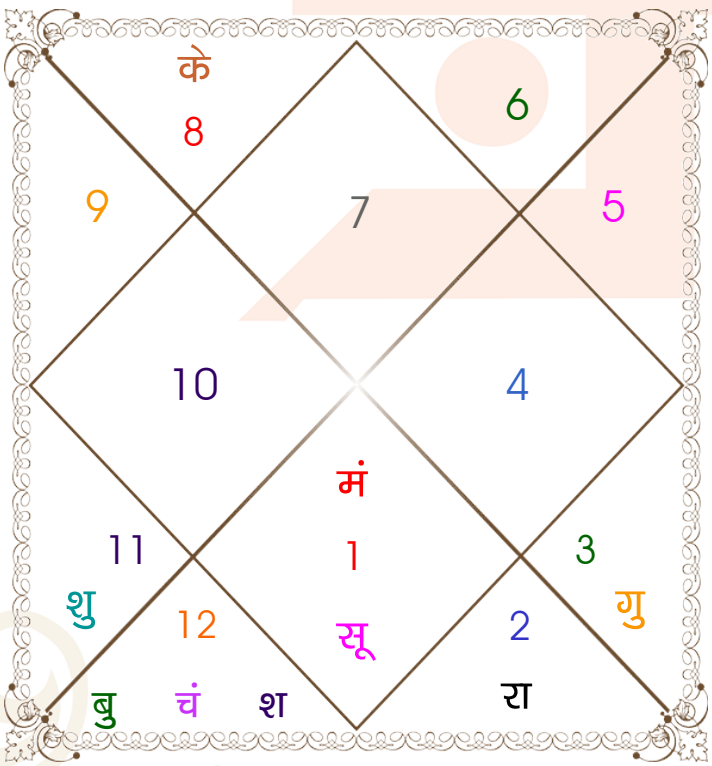

चन्द्र कुंडली

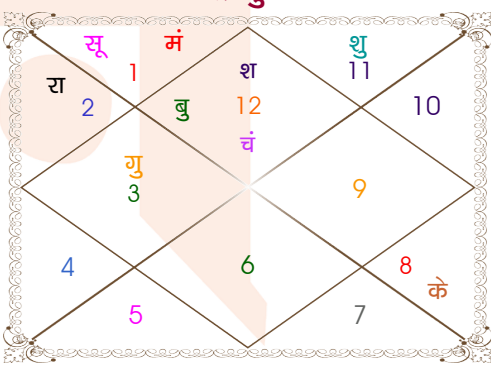

नवमांश कुंडली

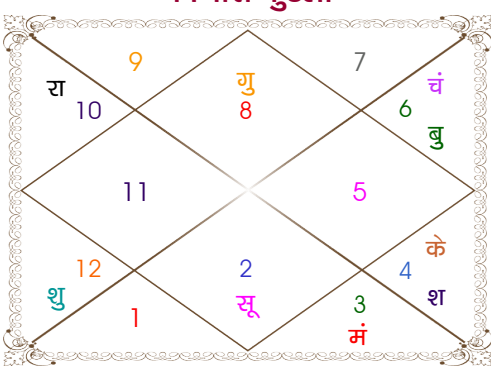

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शनि 11 वर्ष 9 मास 7 दिन

शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष	
18/04/1966		24/01/1978		24/01/1995		24/01/2002		24/01/2022	
24/01/1978		24/01/1995		24/01/2002		24/01/2022		25/01/2028	
	00/00/0000	बुध	22/06/1980	केतु	23/06/1995	शुक्र	26/05/2005	सूर्य	14/05/2022
	00/00/0000	केतु	19/06/1981	शुक्र	22/08/1996	सूर्य	26/05/2006	चंद्र	12/11/2022
	18/04/1966	शुक्र	19/04/1984	सूर्य	28/12/1996	चंद्र	25/01/2008	मंगल	20/03/2023
शुक्र	15/01/1969	सूर्य	23/02/1985	चंद्र	29/07/1997	मंगल	26/03/2009	राहु	12/02/2024
सूर्य	28/12/1969	चंद्र	26/07/1986	मंगल	25/12/1997	राहु	26/03/2012	गुरु	30/11/2024
चंद्र	29/07/1971	मंगल	23/07/1987	राहु	12/01/1999	गुरु	25/11/2014	शनि	12/11/2025
मंगल	06/09/1972	राहु	08/02/1990	गुरु	19/12/1999	शनि	24/01/2018	बुध	19/09/2026
राहु	14/07/1975	गुरु	16/05/1992	शनि	27/01/2001	बुध	24/11/2020	केतु	24/01/2027
गुरु	24/01/1978	शनि	24/01/1995	बुध	24/01/2002	केतु	24/01/2022	शुक्र	25/01/2028

चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष	
25/01/2028		24/01/2038		24/01/2045		24/01/2063		24/01/2079	
24/01/2038		24/01/2045		24/01/2063		24/01/2079		00/00/0000	
चंद्र	24/11/2028	मंगल	22/06/2038	राहु	07/10/2047	गुरु	14/03/2065	शनि	27/01/2082
मंगल	25/06/2029	राहु	11/07/2039	गुरु	02/03/2050	शनि	25/09/2067	बुध	06/10/2084
राहु	25/12/2030	गुरु	16/06/2040	शनि	06/01/2053	बुध	31/12/2069	केतु	15/11/2085
गुरु	25/04/2032	शनि	26/07/2041	बुध	26/07/2055	केतु	07/12/2070	शुक्र	18/04/2086
शनि	24/11/2033	बुध	23/07/2042	केतु	13/08/2056	शुक्र	07/08/2073		00/00/0000
बुध	26/04/2035	केतु	19/12/2042	शुक्र	13/08/2059	सूर्य	26/05/2074		00/00/0000
केतु	25/11/2035	शुक्र	18/02/2044	सूर्य	07/07/2060	चंद्र	25/09/2075		00/00/0000
शुक्र	26/07/2037	सूर्य	25/06/2044	चंद्र	06/01/2062	मंगल	31/08/2076		00/00/0000
सूर्य	24/01/2038	चंद्र	24/01/2045	मंगल	24/01/2063	राहु	24/01/2079		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शनि 11 वर्ष 8 मा 26 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म चित्रा नक्षत्र के चतुर्थ चरण में तुला लग्नोदय काल हुआ था। उस क्षण मेदिनीय क्षितिज पर तुला लग्न के साथ-साथ वृश्चिक नवमांश एवं तुला द्रेष्काण भी उदित था। जो यह संकेत देता है कि आप सदैव मात्र विलासिता संबंधी विषयों के प्रति रुचिवान रहेंगे। मुख्यतः वासनात्मक विलास प्रियता आप में विद्यमान रहेगा। आप अपनी पत्नी के साथ आनंद प्राप्ति में अभिभूत रहेंगे। यह संभाव्य है कि आप काम कला की उच्च शिक्षा प्राप्ति हेतु अथवा प्रसार हेतु प्रयत्नशील रहेंगे। यह संभाव्य है कि आप कामसूत्र के विशेषज्ञ हो जाएं।

संप्रति यदि आपके लिए कार्य है तो वह कार्य घर से संबंधित है। आप अपने शयन कक्ष को अति आकर्षक बनाने के संबंध में सदैव चिंतित रहेंगे। आप अपनी पत्नी की प्रीति में पूर्ण समर्पित रहकर, पत्नी के आकर्षक के कारण एवं विलासिता संबंधी प्रसन्नता हेतु कुछ भी संभव उपाय करने के लिए सीमोलंघन भी कर सकते हैं। संप्रति आप अपनी संगिनी के प्रति अत्यन्त समर्पित हैं।

आप पूर्णरूपेण अश्वस्त होंगे कि आपको एक अच्छी जीवन संगिनी प्राप्त हुई है। आप अपनी पसंद तथा इच्छानुरूप मिथुन अथवा कुंभ राशि की जीवन संगिनी का चयन करें तथा कर्क, मकर एवं मीन जल तत्व राशि की संगिनी का त्याग करें। आपके लिए यह अनिवार्य है कि आपका घरेलू जीवन सुव्यवस्थित हो। यदि संयोगवश आप अपनी जीवन संगिनी के साथ समान तारतम्य नहीं रहा तो अप्रियता एवं दुःखद अनुभव करेंगे। इस प्रकार आपका पारिवारिक जीवन किसी संभावित घटना के कारण असंतुलित हो जाय तथा आपका संपर्क का परित्याग हो जाए। पुनः आप किस प्रकार गृह व्यवस्था सुनिश्चित करेंगे।

आपके जीवन का अन्य रुचिकर विषय आपके मित्र से संबंध स्थापित करने का है। आपकी इच्छा रहती है कि आपके अच्छी मित्र मण्डली हो। जिसके सहयोग के लिए आप सतत कुछ भी करने के तत्पर रहेंगे। आपका अन्य पक्ष यह है कि आप अपने स्तर से अपने मित्रों को प्रस्तुत करेंगे। वास्तविकता तो यह है कि आपके दृष्टिकोण में ऐसा है कि ये मित्र आपके लिए पीठ की हड्डी अर्थात् रीढ़ की भांति प्रमाणित होंगे।

आपके जन्म संयोजन में चित्रा नक्षत्र एवं तुला जन्म लग्न के प्रभाव से आप अत्यंत ही लाभ एवं जीवन की सभी सुविधाओं से युक्त रहेंगे, परंतु वृश्चिक नवमांश के कुप्रभाव से जहां तक हो अड़चन बाधाओं से युक्त परिस्थिति भी हो सकती है। इस प्रकार की परिस्थिति अन्त में आपकी बाधाओं से मुठभेड़ करा सकती है जो आपके शारीरिक अंगों में रोग उत्पन्न करा कर आपकी समृद्धि में बाधक बन जाएं। अतएव आपके लिए अति अनिवार्य है आप गुप्त रोग जनित कार्य से विक्षिप्त प्रभाव के कारण यह संभाव्य है कि आपको मुंह छिपाना पड़े। अतः आप मंगलवार के दिन उपवास रहने का प्रयास करें-यह आपके स्वास्थ्य के लिए सहायक होगा।

आप व्यक्तिगत रूप से सक्रियता पूर्वक आप में यह क्षमता विद्यमान है कि आप अपनी शक्ति सम्पन्नता का अच्छा प्रभाव अपने गुणों के अनुसार किसी भी क्षेत्र में अनिवार्य रूप से सफलता प्राप्त कर सकते हैं। आप कठिन श्रम करने के लिए सुनिश्चित कर सम्पन्नता का

लाभांश यथा धन प्राप्ति के अतिरिक्त भूमि भवन का लाभ प्राप्त कर सकते हैं।

आपको इस प्रकार की आदतों का परित्याग कर सुख आराम की प्राप्ति हेतु व्यवसायिक प्रवृति से पृथक करना चाहिए। आपको प्रेम-प्रसंग हेतु आपने समय का दुरुपयोग नहीं करना चाहिए।

आपको अपनी उन्नति हेतु सही तरीके से किस प्रकार सरकारी अधिकारी को प्रभावित करने के लिए किस प्रकार का प्रभावशाली बातचीत कर सके। यह जानते हैं। आप अपने लिए कार्य व्यवसाय में ट्रांसपोर्टर का कार्य, औषधि का व्यवसाय एवं कांट्रेक्टर का कार्य कर सकते हैं।

आप किसी भी व्यक्ति के साथ संगठित हो कर अच्छी प्रकार मिलजुल कर साथियों के मध्य प्रख्यात हो जाते हैं। आप धैर्य पूर्वक विनोद प्रिय एवं आनंददायक बाते करके प्रसन्नता प्रदान करते हैं। इस प्रकार आप अपने स्वभाव को क्षति कर सकते हैं तथा जब किसी प्रकार की घटना क्रम में आप हिंसात्मक प्रवृति के हो जाते है। आप इस प्रकार की प्रवृति के प्रति शिक्षा ग्रहण कर विपरीत स्थिति के प्रति अपने में बदलाव करें। इस प्रकार की मनोवृति को रोकना उत्तम होगा। क्योंकि आपकी यह आदत हानिकारक है। आप अपने जीवन के इन तथ्यों पर विचार नहीं कर सके तो आपकी बहुत बड़ी क्षति होकर आपकी वृद्धावस्था आर्थिक रूप से प्रभावित हो जाएगा। आप इस प्रकार की समर्पित भावनाओं को नियंत्रित कर लें। इसलिए कि आप को अपना संपूर्ण जीवन आरामदायक ढंग से बिताना है।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन शनिवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरुवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। बुधवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

आपके लिए अंको में अनुकूल अंक 1, 2, 4, 7 एवं 8 अंक उत्तम है। इसके अतिरिक्त अंक 3, 5, 6 एवं 9 अंक उपयुक्त नहीं है।

रंगों में आपके लिए हरा, पीला रंग, आपके लिए रूचि कर एवं व्यवस्थित रंग है। परंतु रंग सफेद लाल, नारंगी आपके लिए अनुकूल एवं शुभ है।